Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2025, E-Journal, Vol. I, Issue L (50), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

उच्च शिक्षा का अनुसूचित जाति पर प्रभाव: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (मोरना ब्लॉक के संदर्भ में)

डॉ. रत्ना त्रिवेदी* आजाद सिंह**

*** एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (समाजशास्त्र) मुन्नालाल एंड जय नारायण खेमका गर्ल्स डिग्री कॉलेज, सहारनपुर (उ.प्र.) भारत**
**** शोध छात्र (समाजशास्त्र) मुन्नालाल एंड जयनारायण खेमका गर्ल्स डिग्री कॉलेज, सहारनपुर (उ.प्र.) भारत**

शोध सारांश – व्यक्ति की बुद्धि और समाज में परिवर्तन का कारक शिक्षा ही है इस प्रकार किसी भी राष्ट्र का निर्माण और विकास उसकी शिक्षा प्रणाली पर ही निर्भर करता है। व्यकित के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा एक सशक्त साधन है यह व्यकित और सम्पूर्ण समुदाय में अपनी जन्म जात क्षमताओ द्वारा अपने जीवन को सुधारने के लिए शिक्षा एक सशक्त माध्यम है। शिक्षा व्यक्ति की योग्यताए बढ़ाती है तथा उसके कौशलो में वृद्धि के साथ उसके व्यक्तित्व को भी निखारती है व्यक्ति को सभी प्रकार से सशक्त करती है इसलिए सभी नागरिको को ऐसी शिक्षा दी जाए जो उनकी योग्यताओ, कौशलो और क्षमताओ का विकास करके उन्हे ज्ञानवान व विवेकशील बनाए। जिससे वह जीवन के सभी पक्षो को अपनी इन योग्यताओ का भरपूर उपयोग कर सके और एक समाजोपयोगी जीवन यापन कर सके।

किसी भी देश का विकास अधिकांशत: उसके समाज में शिक्षा की प्रगति पर निर्भर होता है। एक समाज तभी सम्भव हो पाता है जब उसके नागरिक गतिशील साधन सम्पन्न उद्यमी और उत्तरदायी होते है। ऐसे नागरिकों के बिना किसी भी क्षेत्र में देश का विकास सम्भव नहीं है। शिक्षा इस तरह ऐसे सुयोग्य नागरिकों के निर्माण में योगदान देती है। यह तीव्र आर्थिक एवं तकनीकी विकास की प्राप्ति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है। वर्तमान समय में अनुसूचित जाति उच्च शिक्षा प्राप्त करके रोजगार के नये अवसर प्राप्त कर रहे है तथा महिला सशक्तिकरण तथा राजनीतिक भागीदारी बढी है। यह अध्ययन मुजफ्फरनगर जिले के मोरना ब्लॉक पर आधारित है। इस क्षैत्र में अनुसूचित जातियों ने उच्च शिक्षा प्राप्त करके अपने जीवन में अनेक लाभ प्राप्त किये है।

प्रस्तावना – अनुसूचित जाति शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग साइमन कमीशन द्वारा 1927 में किया गया था। 1850 में यह समुदाय सामान्य रूप से शोषित वर्ग के रूप में प्रयोग किए जाते रहे। भारत धार्मिक प्रजातियों और विविध संस्कृतियों की एक प्रयोगशाला है। भारत की संस्कृति ने 1901 में कुछ जातियों को दलितों के रूपों में कुछ निर्योग्यताओं और अस्पृश्यों से पीडित के रूप में देखा और उन्हें 1935 के भारत शासन आधिनियम में अस्पृश्य जातियों के स्प में पहली बार रखा जिन्हें अब अनुसूचित जाति कहा जाता है। अनुसूचित जातियां तुलनात्मक रूप से व्यवसायी और शिक्षा सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से पिछड़ी हुई है।

दलित अंग्रेजी शब्द **डिप्रेस्ड** क्लास का हिन्दी अनुवाद है, **डिप्रेस्ड** क्लास की जनगणना 1911 में की गई, जिन्हें वर्तमान में अनुसूचित जातियां कहा जाता है दलित का अर्थ पीडित, शोषित, दबा हुआ, खिन्न, उदास, टुकडा, खण्डित, तोडना, कुचलना, दला हुआ, पिसा हुआ, मसला हुआ, रोंदा हुआ, विनष्ट हुआ होता है परन्तु अब अनुसूचित जाति को दलित कहा जाता है, अब दलित शब्द पूर्ण रूप से जाति विशेष के लिए इस्तेमाल किया जाता है हजारों वर्षो तक अस्पृश्य या अछूत समझी जाने वाली उन सभी शोषित जातियों के लिए सामुहिक रूप से प्रयुक्त होता है जो हिन्दु धर्मशास्त्रों द्वारा हिन्दु समाज व्यवस्था में सबसे निचले (चौथे) पायदान पर स्थित है और बौद्ध ग्रन्थ में पाँचवें पायदान पर (चांडाल) है संवैधानिक भाषा में इन्हें ही अनुसूचित जाति कहा गया है। भारत की जनगणना 2011 के अनुसार भारत की जनसंख्या में लगभग 16.6 प्रतिशत या 20.14 करोड़ आबादी दलितों की है।(1) आज अधिकांश हिन्दु दलित बौध धर्म की तरफ आकर्षित हुए है और हो रहे है, क्योकि बौध बनने से हिन्दु दलितों का विकास हुआ है।

सूमा चिटनिस (1995) ने कहा है कि यद्यपि शिक्षा अनुसूचित जातियों के लिये व्यावसायिक गतिशीलता की सुविधा प्रदान करती है, तथ्य यह है कि वे कम प्रतिष्ठित पाठ्यक्रमों में नामांकित है, ऐसी स्थिति है जहाँ प्रभावित गतिशीलता में मुख्यत: अछूत जाति से अछूत वर्ग में परिवर्तन स्वरूप सामने आ रहा है।

एस0 पटवर्धन (1973: 80-84) इन्होंने अपने अध्ययन में पाया, कि अनुसूचित जातियों में शिक्षा के बजाय व्यवसाय को अधिक महत्व दिया जा रहा है। बच्चे बचपन से ही खेतों में काम करना शुरू कर देते है और पैसा कमाते है और स्कूली शिक्षा में उनकी रूचि कम हो जाती है।

बी0आर0 चौहान (1967: 228-250) ने अनुसूचित जातियों के बीच उभरती असमानताओं पर ध्यान केन्द्रित करने की दृष्टि से शैक्षिक सुविधा के उपयोग में जाति और वर्ग का विश्लेषण किया। उन्होंने कुछ गाँवो के 1961 में किये गये अध्ययन का भी उल्लेख किया। इस अध्ययन में उन्होंने भारत की जनगणना की जाँच निम्न आधारों पर की। 1. अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों का विभिन्न राज्यों में वितरण, 2. उनका व्यवसाय, 3. उनकी साक्षरता तथा शैक्षिक स्तर।

एन0के0 सिंह (1979: 20-85) ने माना कि शिक्षा सामाजिक स्थिति का एक महत्वपूर्ण संकेतक है शिक्षा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के सन्दर्भ में सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया को प्रभावित

करती है। शिक्षा के कारण उनकी स्थिति तथा संस्थागत अक्षमता के कारण वंचित रहने की स्थिति में बदलाव आया है।

शांता कुमारी (1983) द्वारा केरल में चलाये जा रहे कल्याणकारी कार्यक्रमों में अनुसूचित जातियों पर कल्याणकारी उपायों के प्रभाव की जाँच की गई। कल्याणकारी कार्यक्रम उन पर उतना प्रभाव नहीं डाल पाये। जितना इन कार्यक्रमों में परिकल्पित किया गया था। अनुसूचित जातियों को विशेष शैक्षिक रियायते दिए जाने के बाद उनकी शैक्षिक प्रगति में सुधार हुआ है।

अध्ययन का उदेश्य:

1. उच्च शिक्षा का अनुसूचित जाति पर प्रभाव का अध्ययन करना।
2. उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसरों पर प्रभाव का अध्ययन करना।
3. उच्च शिक्षा का अनुसूचित जाति की महिलाओं सशक्तिकरण मे योगदान का अध्ययन करना।
4. उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियोंकी राजनीतिक भागीदारी पर प्रभाव का अध्ययन करना।

उपकल्पना:

1. उच्चशिक्षा को प्राप्त करके अनुसूचित जाति में रोजगार के अवसर बढाये जा सकते है।
2. उच्च शिक्षा के द्वारा अनुसूचित जाति में महिला सशक्तिकरण बढाया जा सकता है।
3. उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति में राजनीतिक भागीदारी व जीवन जीने के तरीको में बदलाव किया जा सकता है।

अध्ययन का क्षेत्र– वर्तमान अध्ययन उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति का विकास मोरना ब्लॉक पर आधारित है। मोरना ब्लॉक मुजफ्फरनगर हेडक्वाटर से 24 किलोमीटर पूर्वी भाग में स्थित है। 2011 की जनगणना के अनुसार मोरना ब्लॉक की जनसंख्या 224721 है। मोरना ब्लॉक में 49 ग्राम पंचायते आती है। जिसमें से 4 गांव मोरना, भोपा, चौरावाला और बेहडा सादात को अध्ययन के लिए चुना गया है।

शोध प्रविधि–वर्तमान अध्ययन उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति का विकासमुजफ्फरनगर जिले के मोरना ब्लॉक के चार गॉव पर किया गया है, जिसमें मैनें 400 उत्तरदाताओं का चुनाव स्तरित दैव निदर्शन के आधार पर किया है। जिसमें वर्णनात्मक शोध प्रारूप के आधार पर अध्ययन की रूपरेखा तैयार की गयी है, एवं तथ्य एकत्रितकरने के लिए अवलोकन व साक्षात्कार अनुसूची प्रविधि का चयन किया गया है।

सारणी 1: उच्च शिक्षा का अनुसूचित जाति पर प्रभाव अनुसूचित जाति के व्यक्तियो के लिए रोजगार के अवसरो पर उच्च शिक्षा का प्रभाव:

क्र.	उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियो के लिए रोजगार के अवसरो पर प्रभाव	उत्तरदाताओ की संख्या	प्रतिशत
1	रोजगार की सम्भावनांओ मे उल्लेखनीय सुधार	301	75.25%
2	रोजगार की सम्भावानओ मे मामूली सुधार	55	13.75%
3	कोई महत्वापूर्ण प्रभाव नही हुआ	44	11%
4	रोजगार की सम्भावनाओ मे गिरावट	NIL	NIL
	कुल योग	400	100%

उपरोक्त सारणी में 75.25% उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियो के लिए रोजगार के अवसरो को बढावा देने के लिए रोजगार की सम्भावनाओ में उल्लेखनीय सुधारकरके प्रभावित किया जा सकता है 13.75% उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्च शिक्षा के द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियो के लिए रोजगार के अवसरो को बढावा देने के लिए रोजगार की सम्भावनाओ मे मामूली सूधार करके प्रभावित किया जा सकता है 11% उत्तर दाताओ का विचार है कि उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियो के लिए रोजगार के अवसरो को बढावा देने के लिए कोई महत्वपूर्णप्रभाव नही हुआ है।

सारणी 2 :उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जातियो के व्यक्तियो के लिए आर्थिक स्वतन्त्रता में योगदान

क्र.	उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जातियो के व्यक्तियो के लिए अर्थिक स्वतन्त्रता में योगदान	उत्तरदाताओ की संख्या	प्रतिशत
1	काफी हद तक	332	83%
2	लेकिन सीमित सीमा तक	68	17%
3	कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नही	NIL	NIL
4	इसने अधिक निर्भरता को जन्म दिया है	NIL	NIL
	कुल योग	400	100%

उपरोक्त सारणी में 83% उत्तर दाताओ का विचार है कि उच्च शिक्षा के अनुसूचित जाति के व्यक्तियो के व्यक्तियों के लिए आर्थिक स्वतन्त्रता में काफी हद तक योगदान किया है। 17%उत्तरदाताओं का विचार है कि उच्च शिक्षा ने अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के लिए आर्थिक स्वतन्त्रता में सीमित सीमा तक योगदान किया है।

सारणी 3:अनुसूचित जाति के लिए आधारित भेदभाव को कम करने में उच्च शिक्षा का योगदान

क्र.	अनुसूचित जाति के लिए जाति आधारित भेदभाव को कम करने में उच्च शिक्षा का योगदान	उत्तरदाताओ की संख्या	प्रतिशत
1	भेदभाव में उल्लेखनीय कमी आयी है	217	54.25%
2	भेदभाव में केवल मामूली कमी आयी है	110	27.5%
3	भेदभाव कम करने में कोई कमी नही आयी है	NIL	NIL
4	भेदभाव में वृद्धि हुई है	73	18.25%
	कुल योग	400	100%

उपरोक्त सारणी में 54%उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्चशिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति के छात्रो के लिए जाति आधारित भेदभाव में उल्लेखनीय कमी आयी है 27.5% उत्तरदाताओ का विचार हैकि उच्चशिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति के छात्रो के लिए जाति आधारित भेदभाव में केवल मामूली कमी आयी है 18.25% उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्चशिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति के छात्रो के लिए जाति आधरित भेदभाव को कम करने मे कोई कमी नही आयी है।

सारणी 4: उच्च शिक्षा का अनुसूचित जाति की महिलाओ के सशक्तिकरण में योगदान

क्र.	उच्च शिक्षा का अनुसूचित जाति की महिलाओ के सशक्तिकरण में योगदान	उत्तरदाताओ की संख्या	प्रतिशत
1	उच्च शिक्षा महिलाओ को मजबूती से सशक्त बनाती है	290	72.5%
2	उच्चशिक्षा महिलाओ को कुछ हद तक सशक्त बनाती है	110	27.5%
3	महिलाओ की प्रस्थिति पर कोई प्रभाव नही डालती	NIL	NIL
4	महिलाओ की प्रस्थिति को कमजोर करती है	NIL	NIL
	कुल योग	400	100%

उपरोक्त सारणी में 72.5% उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्चशिक्षा ने अनुसूचित जाति की महिलाओ को मजबूती से सशक्त बनाया है 27.5(उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्च शिक्षा ने अनुसूचित जाति की महिलाओ को कुछ हद तक सशक्त बनाया है।

सारणी 5 : अनुसूचितजाति में जागरुकता और सक्रियता बढाने में उच्च शिक्षा की भूमिका

क्र.	अनुसूचितजाति में जागरुकता और सक्रियता बढाने में उच्च शिक्षा की भूमिका	उत्तरदाताओ की संख्या	प्रतिशत
1	उच्च शिक्षा की भूमिका है	331	82.75%
2	उच्च शिक्षा की मध्यम भूमिका है	26	6.5%
3	उच्च शिक्षा की निम्न भूमिका है	43	10.75%
4	उच्च शिक्षा की कोई भूमिका नही है	NIL	NIL
	कुल योग	400	100%

उपरोक्त सारणी में 82.75% उत्तरदाता अनुसूचित जाति के अन्दर जागरुकता और सक्रियता बढाने में उच्च शिक्षा की प्रमुख भूमिका बनाते है 6.5% उत्तरदाता अनुसूचित जाति के अन्दर जागरुकता और सक्रियता बढाने में उच्च शिक्षा की मध्यम भूमिका बनाते है 10.75%उत्तरदाता अनुसूचित जाति के अन्दर जागरुकता और सक्रियता बढाने में उच्च शिक्षा की निम्नप्रमुख भूमिका मानते है।

सारणी 6: उच्च शिक्षा का अनुसूचित जातियों व अन्य जातियों के बीच अर्न्तजातीय संबन्धो को बेहतर बनाने में योगदान

क्र.	उच्च शिक्षा का अनुसूचित जातियों व अन्य जातियों के बीच अर्न्तजातीय संबन्धो को बेहतर बनाने में योगदान	उत्तरदाताओ की संख्या	प्रतिशत
1	सम्बन्धो में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।	152	38%
2	कुछ हद तक सुधार हुआ है।	248	62%
3	सम्बन्धो में कोई बदलाव नही हुआ है।	NIL	NIL
4	उच्च शिक्षा के अन्दर जातीय सम्बन्धो को खराब किया है।	NIL	NIL
	कुल योग		100%

उपरोक्त सारणी में 38%उत्तरदाताओ का विचार है कि अनुसूचित जातियोंव अन्य जातियों के बीच अन्तरजातीय सम्बन्धो को बेहतर बनाने में उच्च शिक्षा द्वारा उल्लेखनीय सुधार हुआ है 62% उत्तरदाताओ का विचार है कि अनुसूचित जातियो व अन्य जातियो के बीच अन्तरजातीय सम्बन्धो को बेहतर बनाने में उच्च शिक्षा द्वारा कुछ हद तकसुधार हुआ है।

सारणी 7:उच्च शिक्षा का अनुसूचित जातियो के व्यक्तियो की राजनितिक भागीदारी पर प्रभाव

क्र.	उच्च शिक्षा का अनुसूचित जातियो के व्यक्तियो की राजनीतिक भागीदारी पर प्रभाव	उत्तरदाताओ की संख्या	प्रतिशत
1.	उच्च शिक्षा ने राजनीतिक भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि की है	304	76%
2.	उच्च शिक्षा ने राजनीतिक भागीदारी मामूली वृद्धि की है	58	14.5%
3.	राजनितिक भागीदारी पर कोई प्रभाव नहीं हुआ है	22	5.5%
4.	राजनितिक भागीदारी में कमी आई है	16	4%
	कुल योग	400	100%

उपरोक्त सारणी में 76%उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्च शिक्षा ने अनुसूचित जाति के व्यक्तियो की राजनितिक भागेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि की है 14.5%उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्च शिक्षा ने अनुसूचित जाति के व्यक्तियो की राजनितिक भागेदारी में मामूली वृद्धि की है 5.5%उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्च शिक्षा का अनुसूचित जाति के व्यक्तियो की राजनितिक भागेदारी पर कोई प्रभाव नही पडा है। 4%उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियो की राजनितिक भागेदारी में कमी आई है।

सारणी 8 : उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियो के जीवन की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि का मुल्यांकन

क्र.	उच्च शिक्षा द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियो के जीवन जाति के व्यक्तियो के जीवन की समग्र गुणवत्ता कीं वृद्धि में योगदान	उत्तरदाताओ की संख्या	प्रतिशत
1.	जीवन की गुणवत्ता में बहुत वृद्धि की है	344	86%
2.	जीवन की गुणवत्ता में मामूली वृद्धि की है	56	14%
3.	जीवन की गुणवत्ता में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नही हुआ है	NIL	NIL
4.	जीवन की गुणवत्ता में कमी आई है	NIL	NIL
	कुल योग	400	100%

उपरोक्त सारणी में 86%उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्च शिक्षा ने अनुसूचित जाति के व्यक्तियो के जीवन की समग्र गुणवत्ता में बहुत वृद्धि का 14% उत्तरदाताओ का विचार है कि उच्च शिक्षा ने अनुसूचित जाति के व्यक्तियो की जीवन की समग्र गुणवत्ता में मामूली वृद्धि की है।

निष्कर्ष– यह शोध कार्य उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के मोरना ब्लॉक के चार गॉव पर किया गया है। अध्ययन के लिए निश्चित की गयी उपकल्पना उपरोक्त निष्कर्ष से सही प्रतीत होती है। सामान्य रूप से अध्ययन में पाया

गया है कि उच्च शिक्षा के द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसरों की सम्भावनाओं में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है। अनुसूचित जाति की महिलाओं को सशक्त बनाने में भी उच्च शिक्षा बहुत प्रभावशाली है व सामाजिक भेदभाव को कम करने में भी उच्च शिक्षा का योगदान रहा है। उच्च शिक्षा अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को आर्थिक रूप से स्वतन्त्र बना रही है। अनुसूचित जाति के व्यक्तियों में शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार के विषय में भी उच्च शिक्षा जागरूकता बढा रही है। उच्च शिक्षा के द्वारा अनुसूचित जातियो व अन्य जातियों के बीच अर्न्तजातीय सम्बन्धों में कुछ हद तक ही सुधार हुआ है। अनुसूचित जातियों में उच्च शिक्षा प्राप्त करके राजनीतिक सहभागिता में भी वृद्धि हुई है। ग्राम पंचायत चुनाव में अनुसूचित जाति की महिलाएं व पुरूष अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे है, तथा ग्राम पंचायत चुनाव में ग्राम प्रधान के रूप में गॉव का नेतृत्व कर रहे है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. चिटनिस, सूमा 1995 : 'एजूकेशन आफ शिड्यूल्ड कास्ट' जरनल ऑफ हायर एजुकेशन, वाल्यूम 1, नं0 2 (पृष्ठ 168-175)
2. पटवर्धन, सुनंदा 1973 : चेंज अमंग इंडियाज हरिजन : महाराष्ट्रा- ए केस स्टडी, न्यू देहली ओरियंट लोंगमेन लिमिटेड
3. चौहान, बी0आर0 1967 : 'प्रॉब्लम आफ एजूकेंशन अमंग शिड्यूल कास्ट स्टूडें ट इन यू0पी0' सोशल चेंज, वोल्यूम 6, न0 1-2, (पृष्ठ 13-17)
4. सिंह, एन0के0 1979 : एजुकेशन एंड सोशल चेंज, जयपुर रावत पब्लिकेशन
5. कुमारी, सांता 1983 : शिड्यूल्ड कास्ट एंड वेलफेयर मीसर, न्यू देहली पब्लिशिंग कम्पनी
6. https://www.scobtuzz.org/2019/06/anusoochit-jaati.html
7. https://hi.m.wikipedia.org/wiki/highereducation

****